डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,

एम्.ए.,बी.एड., पीएच्. डी.
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि, ***कु. वृषाली भास्कर मधाले*** द्वारा लिखित '' ***मेहरुन्निसा परवेज का उपन्यास 'अकेला पलाश' का अनुशीलन*** '' लघु शोध-प्रबन्ध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

स्थान : कोल्हापुर ।

तिथि : ३०:१२: २००२।

(*डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण*)

अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर-४१६००४.

डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण,

एम्.ए.,बी.एड., पीएच्. डी.
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर।

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, ***कु. वृषाली भास्कर मधाले*** ने मेरे निर्देशन में '' ***मेहरुन्निसा परवेज का उपन्यास 'अकेला पलाश' का अनुशीलन*** '' लघु शोध–प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है। पूर्व योजना नुसार संपन्न इस कार्य में शोध–छात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध–प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। शोध–छात्रा के कार्य से पूरी तरह से संतुष्ट होकर ही मैं इसे परीक्षणार्थ अग्रेषित करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान : कोल्हापुर ।

तिथि :३०:१२: २००२।

शोध–निर्देशक

(डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण)
अध्यक्ष,
हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर–४१६००४.

प्रख्यापन

'' ***मेहरुन्निसा परवेज का उपन्यास 'अकेला पलाश' का अनुशीलन*** '' लघु शोध–प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो शिवाजी विश्वविद्यालय कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। प्रस्तुत रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई हैं।

स्थान : कोल्हापुर । शोध–छात्रा

तिथि :३०:१२: २००२। Madhale

(कु. वृषाली भास्कर मधाले)